अध्याय - 5 | शूराः वयं धीराः वयम्

QUIZ PART-05

1. **"शूरा वयं धीरा वयं वीरा वयं सुतराम्" इत्यस्मिन् गीतपङ्क्तौ अस्माकं कः गुणः प्रमुखतया उक्तः?**
A. शौर्यम्
B. आलस्यम्
C. मोहः
D. दुःखम् (A)

व्याख्या: गीत की इस पंक्ति में हमारे शूर, धीर और वीर होने का वर्णन है। अतः यहाँ मुख्य रूप से साहस और वीरता का गुण बताया गया है।

2. **"गुणशालिनो बलशालिनो जयगामिनो नितराम्" इत्यत्र "जयगामिनः" इत्यस्य अर्थः कः?**
A. पराजयम् इच्छन्ति
B. विजयस्य ओरं गच्छन्ति
C. स्थिराः तिष्ठन्ति
D. शोचन्ति (B)

व्याख्या: "जयगामिनः" का अर्थ है विजय की ओर बढ़ने वाले। गीत में भारतवासियों को उन्नति और सफलता की दिशा में अग्रसर बताया गया है।

3. **"शूराः के?" इति प्रश्नस्य पाठानुसारं उचितम् एकपद-उत्तरं किम्?**
A. वयम्
B. यूयम्
C. ते
D. सः (A)

व्याख्या: अभ्यास प्रश्न में "शूराः के?" पूछा गया है। गीत के आधार पर इसका उत्तर "वयम्" होता है, क्योंकि गीत स्वयं "शूरा वयम्" कहता है।

4. **"वयं कीदृशमानसाः स्मः?" इति प्रश्नस्य उचितम् उत्तरं किम्?**
A. दृढमानसाः
B. दीनमानसाः
C. चलमानसाः
D. विषण्णमानसाः (A)

व्याख्या: गीत और अभ्यास में हमारे दृढ़ मन और अटल संकल्प का वर्णन है।

5. **"वयं कीदृशचित्तकाः स्मः?" इति प्रश्नस्य समुचितम् उत्तरं किम्?**
A. कुटिलचित्तकाः
B. शुभचित्तकाः
C. दुःखचित्तकाः
D. भयचित्तकाः (B)

व्याख्या: गीत और अभ्यास में हमारे शुभ-भाव और श्रेष्ठ विचारों का वर्णन है। इसलिए "शुभचित्तकाः" उत्तर सही है।

6. **"वयं सर्वे अतिनिश्चलाः स्मः?" इति प्रश्नस्य उचितम् उत्तरं किम्?**
A. गृहे
B. वने
C. विजये
D. ग्रामे (C)

व्याख्या: मिलान-अभ्यास में "अतिनिश्चलाः" का संबंध "विजये" से दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि विजय-प्राप्ति में हमारी दृढ़ता और स्थिरता प्रकट होती है।

7. **"वयं विजयार्थिनः कुत्र यामः?" इति प्रश्नस्य समुचितम् उत्तरं किम्?**
A. देवालयम्
B. समराङ्गणम्
C. विद्यालयम्
D. उद्यानम् (B)

व्याख्या: अभ्यास के मेल-प्रश्न में "यामो वयं समराङ्गणं" तथा "विजयार्थिनो बालाः" जैसे पद दिए गए हैं। इससे स्पष्ट है कि विजय के इच्छुक होकर हम समरभूमि की ओर जाते हैं।

8. **"वीराः वयम्" इत्यस्य वचनपरिवर्तितं रूपं किम्?**
A. वीरः अहम्
B. वीरौ आवाम्
C. वीरम् अहम्
D. वीरे अहम् (A)

व्याख्या: उदाहरण में "शूराः वयम् = शूरः अहम्" दिया गया है। उसी प्रकार "वीराः वयम्" का एकवचन रूप "वीरः अहम्" होगा।

9. **"बलशालिनः" इत्यस्य एकवचनरूपं किम्?**
A. बलशालिनम्
B. बलशालिनी
C. बलशाली
D. बलशालिनः (C)

व्याख्या: वचन-परिवर्तन में बहुवचन से एकवचन रूप बनाने को कहा गया है। "बलशालिनः" का एकवचन "बलशाली" बनता है।

10. **"जगदीश हे! परमेश हे!" इत्यस्य समुचितं योजितं पदयुग्मं किम्?**
A. विजयार्थिनो बालाः
B. नो देहि परमात्मन्!
C. शुभचित्तका नियतम्
D. अतिनिश्चला विजये (B)

व्याख्या: मेल-अभ्यास में "जगदीश हे! परमेश हे!" का उचित युग्म "नो देहि परमात्मन्!" दिया गया है। यह ईश्वर से कृपा और शक्ति की प्रार्थना है।